राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 26 | मुंबई : बुधवार 29 अप्रैल 2026 से 05 मई 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

मुंबई में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी बोलना जरूरी नहीं, सरकार ने 6 महीने के लिए टाला फैसला...

मुंबई : मुंबई में 1 मई से ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी बोलना जरूरी नहीं होगा। महाराष्ट्र सरकार ने पहले ऐलान किया था कि मुंबई में ऑटो-रिक्शा या टैक्सी चलाने वाले सभी लोगों के लिए 1 मई से मराठी बोलना जरूरी होगा। हालांकि, विरोध के बाद इस फैसले को 6 महीने के लिए टाल दिया गया है। हालांकि, इस दौरान मराठी बोलने वाले और गैर मराठी ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों का वेरिफिकेशन जारी रहेगा।

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा था कि मुंबई में रिक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा सीखना अनिवार्य किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि रिक्शा चालकों को मराठी नहीं आती, तो उनके परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। इसके बाद मराठी बनाम गैर-मराठी विवाद दोबारा उभर गया था। इस मुद्दे पर कई नेताओं ने विवादित बयान भी दिए थे। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे भी इनमें से एक थे। अमित ठाकरे ने कहा था कि जो मराठी भाषा अनिवार्य करने का विरोध कर रहे हैं। अगर उनके आंदोलन से किसी मराठी

व्यक्ति को परेशानी हुई तो उसे सड़क पर ही पीटेंगे।

विपक्ष के नेताओं ने गुंडागर्दी का किया था विरोध

गैर मराठीभाषी लोगों के अलावा विपक्ष के नेताओं ने भी मराठी के नाम पर गुंडागर्दी का विरोध किया था। एआईएमआईएम के नेता इम्तियाज जलील ने कहा था कि महाराष्ट्र में रहने वाले सभी लोगों को मराठी बोलनी चाहिए। जिन लोगों को नहीं आती है, उन्हें मराठी सिखाई जानी चाहिए, लेकिन भाषा के नाम पर गुंडागर्दी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि लोगों को मराठी सिखाने का बेहतर तरीका अपनाया जाना चाहिए। अब संभवतः महाराष्ट्र सरकार भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही है।

सरकार तैयार करेगी सिलेबस

महाराष्ट्र सरकार पहले ही कह चुकी है कि ऑटो-रिक्शा चलाने वाले लोगों को मराठी में पढ़ना या लिखना जरूरी नहीं है, उन्हें सिर्फ आम बोलचाल की भाषा सीखने की जरूरत है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि सरकार राज्य में ऑटो और टैक्सी चालकों को मराठी सिखाने के लिए एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करेगी। वहीं, मनसे कार्यकताओं ने पहले ही उन ऑटो-रिक्शा पर स्टीकर लगाने शुरू कर दिए हैं, जिनके चालकों को मराठी आती है। महाराष्ट्र के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर ने कहा, ''मुंबई मराठी साहित्य संघ ने राज्य भर में अपनी अलग-अलग ब्रांच में ऑटो रिक्शा ड्राइवरों और टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सिखाने की जिम्मेदारी ली है। इससे मराठी को बढ़ावा मिलेगा। कोंकण मराठी साहित्य परिषद भी मिलकर कोंकण इलाके में मराठी सिखाएगी।

मुंबई : नितेश राणे को सिंधुदुर्ग कोर्ट ने दी एक महीने की जेल...

मुंबई-गोवा हाइवे पर NHAI इंजीनियर पर फेंका था कीचड़

मुंबई : सिंधुदुर्ग की अदालत ने महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे को 2019 के एक मामले में दोषी ठहराया। यह मामला तब का है जब नितेश राणे विपक्ष में थे और उन्होंने ठलअक के एक इंजीनियर पर कीचड़ फेंका था। अदालत ने उन्हें एक महीने की जेल की सजा सुनाई और कहा कि कानून बनाने वालों को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। अदालत ने कहा कि कानून निमार्ताओं को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। घटना के वक्त राणे विपक्ष के नेता थे। हालांकि, अदालत ने राणे की सजा निलंबित कर दी और उन्हें हाई कोर्ट में अपील करने का समय दिया, जबकि इस मामले में 29 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया गया। अतिरिक्त सत्र न्यायालय के न्यायाधीश वी एस देशमुख ने कहा कि हालांकि नितीश राणे का इरादा घटिया काम और जनता को हो रही असुविधा के खिलाफ आवाज उठाना था, लेकिन उन्हें किसी लोक सेवक को सार्वजनिक रूप से अपमानित या बेइज्जत नहीं करना चाहिए था।

अदालत ने क्या कहा

न्यायाधीश ने कहा कि यदि ऐसी घटनाएं होती रहीं, तो लोक सेवक गरिमा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर पाएंगे। अदालत ने कहा कि ऐसी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना समय की मांग है। पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के पुत्र नितेश राणे उन 30 लोगों में शामिल थे जिन पर दंगा, लोक सेवक को कार्य करने से रोकने के लिए हमला करने और आपराधिक साजिश रचने सहित विभिन्न अपराधों के आरोप लगाए गए थे। घटना के समय वह कांग्रेस में थे।

कई आरोपों से नितेश राणे बरी

अदालत ने अधिकांश आरोपों के समर्थन में अपर्याप्त साक्ष्य पाए जाने के कारण नितेश राणे सहित सभी आरोपियों को इन अपराधों से बरी कर दिया। हालांकि, अदालत ने नितेश राणे को धारा 504 (सार्वजनिक शांति भंग करने के उद्देश्य से जानबूझकर अपमान करना) के तहत दोषी पाया और उन्हें एक महीने जेल की सजा सुनाई।

मुंबई-गोवा राजमार्ग को लेकर हुई थी घटना

राणे, जो उस समय कांग्रेस विधायक थे, ने चार जुलाई, 2019 को मुंबई-गोवा राजमार्ग के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुमंडल अभियंता प्रकाश शेडेकर को कंकावली में गड नदी पर बने पुल पर बुलाया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सड़क निर्माण की खराब गुणवत्ता और जलभराव से नाराज नितेश राणे और उनके समर्थकों ने अभियंता का विरोध किया। उन्होंने शेडेकर पर कीचड़ वाला पानी डाला और उन्हें सार्वजनिक रूप से कीचड़ में चलने के लिए मजबूर किया। अदालत ने रिकॉर्ड में मौजूद सबूतों की जांच करने के बाद पाया कि शिकायतकर्ता (पीड़ित) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में उच्च पद पर कार्यरत थे।

गुणरत्न सदावर्ते ने महाराष्ट्र की राजनीति में चल रहे ''मराठी भाषा अनिवार्य'' विवाद को लेकर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और राज ठाकरे पर तीखा हमला बोला है।

विशेष रिपोर्ट

मुंबई : मुंबई में ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने के फैसले को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। सरकार ने पहले 1 मई 2026 से इस नियम को लागू करने की बात कही थी, लेकिन अब इसे टालकर 15 अगस्त तक की मोहलत दे दी गई है, जिससे राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। गुणरत्न सदावर्ते ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और राज ठाकरे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम पूरी तरह असफल साबित हुआ है और फैसले में स्पष्टता की कमी दिखाई दे रही है। सदावर्ते ने तंज कसते हुए कहा कि ''परिवहन विभाग पंक्चर हो गया क्या?'' उनका कहना है कि बिना ठोस कानून बनाए सिर्फ सर्कुलर जारी करना सही प्रक्रिया नहीं है और इससे भ्रम की स्थिति पैदा होती है।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर इस संबंध में कोई विधिक प्रावधान नहीं है, तो सरकार इसे लागू कैसे कर सकती है। उनके अनुसार, प्रेस नोट या प्रशासनिक आदेश कानून का विकल्प नहीं हो सकते।

राज ठाकरे पर भी निशाना साधते हुए सदावर्ते ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे को राजनीतिक रूप दिया जा रहा है और इससे समाज में अनावश्यक तनाव पैदा हो सकता है। उन्होंने मंत्री सरनाईक की भूमिका पर भी सवाल उठाए और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। सदावर्ते ने कहा कि इस फैसले को टालना रिक्शा चालकों और मजदूर वर्ग के लिए राहत की खबर है। उनके मुताबिक, अब चालकों को किसी भी तरह की सख्ती का सामना नहीं करना पड़ेगा और वे बिना डर के काम कर सकेंगे।

इस पूरे मामले ने भाषा, कानून और राजनीति के बीच एक नई बहस को जन्म दे दिया है। आने वाले समय में यह मुद्दा महाराष्ट्र की राजनीति में और बड़ा रूप ले सकता है।

तुर्की से भारत लाया गया दाऊद का करीबी सलीम डोला, एनसीबी ने फरार ड्रग माफिया पर कसा शिकंजा

दिल्ली : भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी और मादक पदार्थों का बड़ा सरगना माने जाने वाले सलीम डोला को तुर्की से भारत डिपोर्ट कर दिया गया है। मंगलवार सुबह उसे दिल्ली लाया गया, जहां एयरपोर्ट पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने उसे हिरासत में ले लिया। एनसीबी के एक अधिकारी के मुताबिक, 59 वर्षीय सलीम से पहले पूछताछ की जाएगी और उसके बाद उसे महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों को सौंपा जाएगा, जहां उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। सलीम को रविवार को इस्तांबुल में तुर्की की नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़ा गया था।

अमित शाह ने गिरफ्तारी पर दी प्रतिक्रिया

सलीम डोला की गिरफ्तारी पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, “नार्को सिंडिकेट के खिलाफ जीरो टॉलरेंस। एनसीबी ने आज तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला की भारत वापसी सुनिश्चित कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। मोदी सरकार के ड्रग माफियाओं को बेदर्दी

से खत्म करने के मिशन के तहत, हमारी एंटी-नारकोटिक्स एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के मजबूत नेटवर्क के जरिए अपनी पहुंच सीमाओं के पार तक बढ़ा दी है। अब ड्रग माफिया चाहे कहीं भी छिपे हों, उनके लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।

गौरतलब है कि मुंबई के डोंगरी इलाके का रहने वाला सलीम करीब एक दशक पहले भारत से फरार हो गया था। वह विदेश से ही बहु-राज्यीय ड्रग नेटवर्क चला रहा था। साल 2024 में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच द्वारा 4 किलो एमडी (मेफेड्रोन) की बरामदगी की जांच के दौरान उसका नाम सामने आया था। जांच में सामने आया कि ड्रग्स की सप्लाई चेन सांगली और सूरत से होते हुए यूएई और तुर्की तक फैली हुई थी, जहां से वह अपने साथियों के जरिए ऑपरेशन चला रहा था। पिछले साल उसके बेटे ताहेर और भतीजे मुस्तफा मोहम्मद कुब्बावाला को इंटरपोल की मदद से यूएई से भारत लाया गया था, जिससे उसके नेटवर्क को बड़ा झटका लगा। सलीम पहले से ही नारकोटिक्स एजेंसियों के लिए कुख्यात नाम रहा है। उसे 1998 में मुंबई एयरपोर्ट पर 40 किलो मेंड्रैक्स के साथ गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसियों का मानना है कि वह डी-कंपनी के लिए ड्रग ऑपरेशन संभालता था। उसका नाम 1,000 करोड़ रुपये के फेंटानिल मामले और डीआरआई के गुटखा तस्करी केस में भी सामने आ चुका है। एजेंसियों के अनुसार, उसका नेटवर्क एमडी ड्रग के उत्पादन के लिए फंडिंग करता है। केमिकल सप्लाई करता है और महाराष्ट्र व गुजरात में गुप्त लैब्स संचालित करता है। एनसीबी ने उसकी गिरफ्तारी की जानकारी देने वालों के लिए पहले 1 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया था।

मेट्रो-6 के काम में आई तेजी, परियोजना में भारी स्टील स्पैन की स्थापना

मुंबई: मेट्रो-6 परियोजना के काम को रफ्तार मिली है। एमएमआरडीए ने रेलवे ट्रैक के ऊपर जोगेश्वरी में अपने सबसे चुनौतीपूर्ण चरण को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। लगभग 168 टन वजनी विशाल स्टील स्पैन को स्थापित कर दिया गया है। अब तक परियोजना का काम 87.7 प्रतिशत पूरा हो चुका है। परियोजना के आगे बढ़ने से मुंबई वासियों को जल्द तेज, सुरक्षित और सुगम यात्रा की सौगात मिलने की उम्मीद है। मेट्रो-6 परियोजना का काम पूरा होने पर शहर की पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी को मजबूत आधार मिलेगा। जोगेश्वरी में पश्चिम रेलवे ट्रैक के ऊपर 42 मीटर लंबे और लगभग 168.96 टन वजनी स्टील स्पैन की सफल स्थापना की

गई है। लगभग 14.5 किलोमीटर लंबी पूरी तरह एलिवेटेड 'पिंक लाइन' के रूप में विकसित हो रही मेट्रो लाइन 6 में कुल 13 स्टेशन प्रस्तावित हैं। कांजूरमार्ग में 15.2 हेक्टेयर क्षेत्र में डिपो का निर्माण किया जा रहा है, जबकि जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड पर डबल डेकर फ्लाईओवर इस परियोजना की खासियत है।

इस उपलब्धि की शुरूआत पियर पी124 के निर्माण से हुई, जो पश्चिम रेलवे के अत्यंत व्यस्त अप और डाउन ट्रैक के बीच स्थित है. पियर पी123 और पी124 के बीच 42 मीटर लंबे स्टील कॉम्पोजिट स्पैन को स्थापित किया गया, जिसे 10 घंटे के निर्धारित रेलवे ब्लॉक के भीतर सफलतापूर्वक फिट किया गया। इस जटिल ऑपरेशन में 500 और 600 टन क्षमता वाले हाइड्रोलिक क्रेनों का समन्वित उपयोग किया गया। मेट्रो लाइन 6 के शुरू होने के बाद जोगेश्वरी से विक्रोली तक पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी को बड़ा बल मिलेगा। इससे यात्रियों का समय बचेगा, जेवीएलआर पर ट्रैफिक दबाव कम होगा और शहर में सार्वजनिक परिवहन को नई गति मिलेगी। साथ ही अन्य मेट्रो लाइनों और उपनगरीय रेल नेटवर्क से बेहतर इंटरचेंज सुविधा भी उपलब्ध होगी।

मुंबई : सबअर्बन जिले में 4,194 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा, रिव्यू मीटिंग में खुलासा

मुंबई : मुंबई सबअर्बन जिले में सरकारी जमीन पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण का मामला सामने आया है। सोमवार को हुई एक समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गई कि राज्य और केंद्र सरकार की लगभग 4,194 एकड़ जमीन पर कब्जा किया गया है। यह जिला करीब 369 वर्ग किलोमीटर यानी लगभग 91,181 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। बैठक में बताया गया कि जिले में राज्य सरकार, केंद्र सरकार, बृहन्मुंबई महानगरपालिका और महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की कई महत्वपूर्ण जमीनें शामिल हैं।

सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, सबअर्बन क्षेत्र में आरे कॉलोनी, संजय गांधी नेशनल पार्क, गोरेगांव स्थित दादासाहेब फाल्के चित्रनगरी, मानखुर्द क्षेत्र और नमक उत्पादन से जुड़ी बड़ी जमीनें सरकार के स्वामित्व में हैं। इसके बावजूद इन जमीनों के बड़े हिस्से पर अवैध कब्जा होने की पुष्टि 2016 के एक सर्वे में हुई थी। इस सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, जिले में कुल 4,194 एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण पाया गया था। यह जमीन विभिन्न सरकारी एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र में आती है और इसमें राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार की संपत्तियां भी शामिल हैं।

यह मामला मुंबई सबअर्ब्स के जिला संरक्षक मंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में सामने आया। बैठक में सरकारी जमीनों की स्थिति, उनके उपयोग और अतिक्रमण हटाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि कई इलाकों में लंबे समय से जमीन पर अवैध निर्माण और कब्जे की स्थिति बनी हुई है, जिससे सरकारी परियोजनाओं और विकास कार्यों पर असर पड़ रहा है। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

मुंबई : मनपा ने हटाए पुराने वाहन, स्क्रैपिंग अभियान तेज

मुंबई : महानगर की सड़कों पर वाहनों की पार्किंग समस्या दिन-ब-दिन विकराल होती जा रही है। इस बीच मुंबई मनपा ने लावारिश व कबाड़ा हो रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मनपा ने 10,584 वाहनों को स्क्रैप कर दिया है। मनपा से मिली जानकारी के मुताबिक, 15 अप्रैल तक पूरे मुंबई में 31,011 खटारा वाहन चिन्हित किए थे। इनमें से 14,423 वाहनों को टो किया गया, जबकि 10,584 वाहनों को स्थायी रूप से स्क्रैप कर दिया गया है। अब तक पूरे शहर में 23,015 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। मुंबई शहर में 7,101 चिन्हित वाहनों में से 6,392 को नोटिस जारी किए गए, जो लगभग 90 प्रतिशत की दर दशार्ता है। इस क्षेत्र में 4,331 वाहन हटाए गए और 3,046 स्क्रैप के लिए भेजा गया। पूर्वी उपनगर में 7,412 वाहन चिन्हित किए गए, जिनमें से 5,693 को नोटिस जारी किए गए। साथ ही 3,358 वाहन हटाए गए और 2,567 को स्क्रैप किया गया। पश्चिमी उपनगर इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र के रूप में सामने आए हैं, जहां कुल वाहनों का आधे से अधिक हिस्सा पाया गया।

मुंबई : मेडिकल काउंसिल चुनाव में कमजोर मतदान...

मुंबई: महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल चुनाव में डॉक्टरों की भागीदारी कम रही। राज्य भर में कुल 1.23 लाख मतदाताओं में से महज 17,149 डॉक्टरों ने ही अपने मताधिकार का उपयोग किया। कुल मतदान प्रतिशत सिर्फ 13.71 फीसदी पर सिमट कर रह गया। बुधवार को हाफकिन इंस्टीट्यूट में मतगणना के बाद नतीजे घोषित किए जाएंगे। चिकित्सा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल चुनाव भले ही राज्यभर में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ, लेकिन डॉक्टरों की ओर से बेहद ठंडी प्रतिक्रिया ने सभी को चौंका दिया है। मुंबई जैसे बड़े शहरों में मतदान बेहद कम रहा। इसके विपरीत सिंधुदुर्ग जैसे छोटे जिले में सबसे

अधिक उत्साह देखने को मिला। राज्य में काउंसिल की नौ सीटों के लिए 60 उम्मीदवार मैदान में हैं। प्रदेश के हर जिले में मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे और पूरी प्रक्रिया जिलाधिकारियों की निगरानी में संपन्न हुई। मुंबई में जेजे अस्पताल और उपनगर क्षेत्र के वाकोला में मतदान केंद्र बनाए गए थे, जहां सुबह से ही डॉक्टरों ने मतदान किया, लेकिन संख्या सीमित रही। इस चुनाव में विभिन्न पैनलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पहली बार इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से जुड़े पैनलों सहित तीन प्रमुख गुट मैदान में हैं। इसके अलावा कुछ निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे हैं, जिससे चिकित्सा क्षेत्र में आंतरिक मतभेद भी खुलकर सामने आए हैं। वोटिंग के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और स्थानीय पुलिस का व्यापक बंदोबस्त तैनात किया गया था। आंकड़ों के अनुसार मुंबई में 1233, पुणे में 1798, ठाणे में 1026, नागपुर में 1327, छत्रपति संभाजीनगर में 1033, नासिक में 1268, नांदेड़ में 938, बीड में 368, लातूर में 552, कोल्हापुर में 439, सांगली में 369, बुलढाणा में 230, अमरावती में 464, अकोला में 310, यवतमाल में 212, परभणी में 341, चंद्रपुर में 333, वर्धा में 182, धुले में 262, धाराशिव में 151, जालना में 153, हिंगोली में 135, रत्नागिरी में 141 और सिंध दुर्ग में 96 वोट पड़े हैं। इसी के साथ ही भंडारा, गोंदिया, नंदुरबार, वाशिम, पालघर, सातारा, रायगढ़ और अहमदनगर में एक भी वोट नहीं पड़े।

मीरा रोड चाकूबाजी केस की जांच एंटी-टेररिज्म स्क्वाड ने संभाली, आईएसआईएस लिंक की आशंका से बढ़ी जांच...

मुंबई : एंटी-टेररिज्म स्क्वाड ने मीरा रोड के नया नगर इलाके में हुए चाकूबाजी मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। शुरूआती पुलिस जांच के बाद अब इस मामले को संभावित आतंकी एंगल से भी खंगाला जा रहा है, क्योंकि आरोपी के घर से कथित रूप से इस्लामिक स्टेट से जुड़ा संदिग्ध सामान बरामद हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, इस बरामदगी के बाद जांच एजेंसियां इस घटना को ''लोन वुल्फ''यानी अकेले व्यक्ति द्वारा किए गए संभावित आतंकी हमले के एंगल से भी देख रही हैं। एंटी-टेररिज्म स्क्वाड ने मामले से जुड़े सभी सबूतों और डिजिटल डेटा की गहन जांच शुरू कर दी है।

इस घटना के मुख्य आरोपी की पहचान जैब जुबैर अंसारी (31) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे नया नगर पुलिस स्टेशन की टीम द्वारा इलाके के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना के कुछ ही घंटों के

भीतर गिरफ्तार कर लिया था। फुटेज में आरोपी को वारदात के दौरान और उसके बाद भागते हुए देखा गया था, जिसके आधार पर उसकी पहचान सुनिश्चित की गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को ठाणे जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 4 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अब एंटी-टेररिज्म स्क्वाड उसकी गतिविधियों, संपर्कों और संभावित नेटवर्क की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वह किसी संगठित या ऑनलाइन कट्टरपंथी समूह से जुड़ा था। जांच एजेंसियों ने उसके मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट और डिजिटल डिवाइस को भी फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। साथ ही उसके संपर्क में आए लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी तक जांच शुरूआती चरण में है, लेकिन आईएसआईएस से जुड़े संदिग्ध सामान की बरामदगी ने मामले को गंभीर बना दिया है। इसी कारण एंटी-टेररिज्म स्क्वाड को जांच में शामिल किया गया है ताकि किसी भी संभावित आतंकी साजिश या कट्टरपंथी गतिविधि की पूरी तरह जांच हो सके। स्थानीय पुलिस और एंटी-टेररिज्म स्क्वाड दोनों मिलकर यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह घटना केवल व्यक्तिगत अपराध थी या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क सक्रिय था।

मुंबई : हाई कोर्ट ने बढ़ाया मुआवजा, समुद्री इंजीनियर के परिवार को 1.31 करोड़ देने का आदेश...

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में दिवंगत मैरीटाइम इंजीनियर के परिवार को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि को बढ़ा दिया है। अदालत ने यह फैसला इस आधार पर दिया कि समुद्री (मैरीटाइम) क्षेत्र में काम करने वाले प्रोफेशनल्स की आय सामान्य भूमि-आधारित नौकरियों की तुलना में काफी अधिक होती है, क्योंकि उनका काम ऑफशोर परिस्थितियों में कठिन और चुनौतीपूर्ण होता है। यह मामला मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल के उस फैसले से जुड़ा था, जिसमें मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया था। लेकिन

हाई कोर्ट ने ट्रिब्यूनल द्वारा आय का आकलन कम किए जाने को गलत माना और इसे संशोधित करते हुए मुआवजा बढ़ाने का आदेश दिया।

जस्टिस जितेंद्र जैन ने 24 अप्रैल को दिए गए अपने फैसले में कहा कि समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले इंजीनियर और अन्य पेशेवर लंबे समय तक ऑफशोर रहते हैं और कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं, इसलिए उनकी आय को सामान्य कर्मचारियों के समान नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि ''जहाजों पर काम करने वाले लोग जमीन पर काम करने वालों की तुलना में कहीं अधिक कमाई करते हैं।''इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हाई कोर्ट ने मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल द्वारा तय किए गए 10 लाख रुपये के मुआवजे को बढ़ाकर 1.31 करोड़ रुपये कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने इस राशि पर 7.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का भी आदेश दिया, जिससे अंतिम भुगतान और अधिक बढ़ जाएगा।

अदालत ने कहा कि दुर्घटना पीड़ित के वास्तविक आर्थिक योगदान को सही तरीके से समझना जरूरी है, खासकर तब जब वह किसी उच्च जोखिम और उच्च आय वाले पेशे से जुड़ा हो। कोर्ट ने यह भी माना कि ट्रिब्यूनल द्वारा आय का गलत अनुमान लगाने से परिवार को उचित मुआवजा नहीं मिल पाया था।

कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड पर हाई कोर्ट सख्त!

बृहन्मुंबई महानगरपालिका को निगरानी के आदेश

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई के कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड से फैल रहे प्रदूषण और तेज बदबू को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। अदालत ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका को निर्देश दिया है कि वह साइट से निकलने वाली मीथेन गैस और अन्य उत्सर्जनों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित करे और इस पूरे मामले पर विस्तृत रिपोर्ट अदालत में पेश करे। यह मामला मुंबई के पूर्वी उपनगरों में रहने वाले लाखों नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन गुणवत्ता से जुड़ा हुआ बताया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि इस तरह का प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस आरती साठे की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान दो प्रमुख समस्याओं को तुरंत ध्यान देने योग्य बताया। पहली समस्या रात 1 बजे से सुबह 6 बजे के बीच फैलने वाली तेज बदबू है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भारी परेशानी हो रही है। दूसरी चिंता मीथेन गैस के उत्सर्जन को लेकर जताई गई, जिसे लेकर एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन का भी हवाला दिया गया। अदालत में यह भी उल्लेख किया गया कि यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स की एक प्रकाशित स्टडी में लैंडफिल साइट्स से निकलने वाली मीथेन गैस और उसके पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर चिंता जताई गई है। इसी आधार पर कोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका से कहा कि वह वैज्ञानिक तरीके से गैस उत्सर्जन की निगरानी करे और डेटा नियमित रूप से रिकॉर्ड करे।

कोर्ट ने यह भी कहा कि कचरा डंपिंग साइट्स से निकलने वाला प्रदूषण केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है। इसलिए नगर निकाय को इस पर गंभीर और तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका को निर्देश दिया गया है कि वह आधुनिक तकनीक का उपयोग कर मीथेन और अन्य गैसों की निगरानी करे और यह सुनिश्चित करे कि प्रदूषण स्तर निर्धारित सीमा से अधिक न हो। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएं। इस मामले ने एक बार फिर मुंबई में ठोस कचरा प्रबंधन और डंपिंग ग्राउंड की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिक लंबे समय से कांजुरमार्ग क्षेत्र में बदबू और प्रदूषण को लेकर शिकायत कर रहे थे, जिसके बाद यह मामला अदालत तक पहुंचा।

जमीन विवाद में मंत्री प्रताप सरनाईक पर मामला दर्ज

मुंबई : महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के खिलाफ भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने भूमिपुत्रों की जमीन हड़पने का मामला सोमवार को ठाणे जिले के कासारवड़वली पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाया है। पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाने के बाद मेहता ने कहा कि ठाणे जिले के भायंदर पाड़ा में यहां के भूमिपुत्रों (भोइर व अन्य लोगों के) से संबंधित 2,439 वर्ग मीटर के भूखंड में से 1,219 वर्ग मीटर जमीन पर परिवहन मंत्री ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। नरेंद्र मेहता ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रताप सरनाईक दावा करते हैं कि वे 'मराठी मानुष' का समर्थन करते हैं, लेकिन वे अपने निजी फायदे के लिए स्थानीय 'भूमिपुत्रों' को बेघर कर रहे हैं। उनके कार्यों से सरकार की छवि खराब हो रही है।

मुंबई : मेयर बंगले का 3.48 करोड़ से रेनोवेशन, 1931 का हेरिटेज भवन होगा रिस्टोर

मुंबई : बायकुला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले बॉटनिकल गार्डन और जू परिसर में बने मेयर के आधिकारिक बंगले को लंबे समय बाद रेनोवेट और रिस्टोर किया जाएगा। यह बंगला पिछले लगभग चार साल से बंद पड़ा था। अब बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने इसके पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए करीब 3.48 करोड़ रुपये के खर्च का प्रस्ताव तैयार किया है और इसे अंतिम मंजूरी के लिए स्टैंडिंग कमेटी के पास भेजा गया है। यह ऐतिहासिक बंगला वर्ष 1931 में बनाया गया था और इसे हेरिटेज भवन का दर्जा प्राप्त है। लगभग 6,000 वर्ग फुट में फैला यह बंगला सागौन की लकड़ी से निर्मित है और इसकी छत पारंपरिक टाइलों से बनी हुई है। इसकी वास्तुकला पुराने समय की शैली को दर्शाती है, जो इसे एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक संरचना बनाती है। नगर प्रशासन के अनुसार, इस बंगले के रेनोवेशन को प्राथमिकता दी गई है ताकि अगले मेयर के कार्यभार संभालने से पहले इसे पूरी तरह तैयार किया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि भवन की संरचनात्मक स्थिति को देखते हुए मरम्मत और पुनर्स्थापन का कार्य जरूरी हो गया था।

सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में मेयर रितु तावड़े ने पदभार संभालने के बाद इस बंगले का दौरा किया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कुछ जरूरी मरम्मत और सुधार के सुझाव दिए थे, जिन्हें बाद में रेनोवेशन प्लान में शामिल किया गया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के प्रस्ताव में बंगले की मूल संरचना को बनाए रखते हुए जरूरी मरम्मत और आधुनिक सुविधाओं के सीमित सुधार का प्रावधान रखा गया है, ताकि इसकी हेरिटेज पहचान सुरक्षित रहे। स्टैंडिंग कमेटी की मंजूरी मिलने के बाद रेनोवेशन कार्य शुरू किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल भवन को उपयोग के योग्य बनाना है, बल्कि इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित रखना है। नगर निकाय अधिकारियों का कहना है कि यह बंगला मुंबई के शहरी इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

शूटआउट एट ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले का प्रयास न केवल उनकी सुरक्षा-व्यवस्था में दरारों को स्पष्ट करता है, बल्कि अमरीका में खतरनाक, जानलेवा होती ह्यबंदूक-संस्कृतिह्न पर भी सोचने को बाध्य करता है। राजधानी वॉशिंगटन के ह्यहिल्टन होटलह्न में राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति वेंस समेत कैबिनेट के कुछ मंत्रियों को भी निशाना बनाया गया। वाकई यह खौफनाक विचार है। अलबत्ता यह राहत का विषय है कि होटल के उस हॉल में मौजूद करीब 2600 मेहमान भी बाल-बाल बचा लिए गए। खौफ और डर से उनकी सांसें ही थम-सी गई होंगी! मौका था ह्यव्हाइट हाउसह्न कवर करने वाले संवाददाताओं के रात्रि-भोज का। अभिव्यक्ति की आजादी और राष्ट्रपति-मीडिया के आपसी रिश्तों का प्रतीक माना जाता रहा है यह रात्रि-भोज। कई अतिविशिष्ट लोग भी आमंत्रित होते हैं। सुरक्षाकर्मियों की पहरेदारी और चौकसी बहुत सख्त होती है। उन लम्हों में एक अमरीकी नागरिक के भीतर ट्रंप प्रशासन के प्रति नफरत, आक्रोश, वितृष्णा के भाव पल रहे थे, क्योंकि हमलावर ने अपने परिवार को भेजे एक संदेश में राष्ट्रपति ट्रंप को ह्यगद्दारह्न और ह्यबलात्कारीह्न करार दिया था। यदि इसे आम अमरीकी की राष्ट्रपति के प्रति मनःस्थिति और सोच का आधार माना जाए, तो राष्ट्रपति ट्रंप के लिए घरेलू हालात भी बदतर और चिंताजनक हैं, लेकिन हम निर्वाचित जन-प्रतिनिधि पर किसी भी तरह के हिंसक प्रहार अथवा ऐसी किसी भी साजिश की निंदा करते हैं और खारिज करते हुए यकीन रखते हैं कि कानून ऐसे हमलावर को कड़ी सजा देगा। अमरीका ने अब्राहम लिंकन से जॉन एफ. कैनेडी तक चार राष्ट्रपतियों को खोया है। उनकी हत्या कर दी गई। इसी ह्यहिल्टन होटलह्न में 30 मार्च, 1981 को तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर भी गोलीबारी कर उनकी हत्या करने की कोशिश की गई थी, लेकिन रीगन से ट्रंप तक कई घटनाएं, कई हमले ऐसे हुए हैं, जिनमें राष्ट्रपति बाल-बाल बचे अथवा ह्यसीक्रेट सर्विसह्न के कमांडो टाइप जवानों की मुस्तैदी ने उन्हें बचा लिया। राष्ट्रपति बनने से पहले और बाद में ट्रंप पर यह चौथा हमला किया गया, एक हमले में हमलावर की गोली ट्रंप के कान को हवा की तरह छू कर निकल गई, लेकिन अमरीका जैसे प्राचीनतम, सशक्त लोकतंत्र में इस हद की नफरत और हिंसा वाकई चिंतित करती है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए, लिहाजा ट्रंप प्रशासन इस पर गंभीरता से चिंतन-मनन करे और व्यवस्था को बदले। बंदूक गोली-बिस्कुट की तरह उपलब्ध नहीं होनी चाहिए। ऐसा भी नहीं है कि हमलावर कोल थॉमस एलन कोई अशिक्षित, हिंसक अश्वेत समूह का सदस्य था या पेशेवर अपराधी था। वह प्रशिक्षित इंजीनियर है और कोचिंग इंस्टीट्यूट सी-2 में अध्यापक था। सी-2 से उसे दिसंबर, 2024 में ह्यटीचर ऑफ द मंथह्न का अवार्ड भी मिला था। ऐसा शख्स ह्यराजनीतिक हत्याह्न की पराकाष्ठा तक कैसे सोच सकता था?

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका का सैलून पर एक्शन,

बरगद के पेड़ को रंगने पर पुलिस से कार्रवाई की मांग!

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका के गार्डन विभाग ने बांद्रा पुलिस से एक सैलून के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह मामला तब सामने आया जब आरोप लगा कि सैलून ने अपनी दुकान के बाहर स्थित एक जीवित बरगद के पेड़ को रंग दिया था। इस घटना के बाद सिविक बॉडी ने सैलून को नोटिस जारी कर दिया है और उससे जवाब तलब किया गया है। मामला मुंबई के पाली नाका क्षेत्र में स्थित ''टिप एंड टो लक्स सैलून''से जुड़ा है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अनुसार, सैलून पर आरोप है कि उसने पेड़ के तने और ऊपर की जड़ों को सजावटी उद्देश्य से गुलाबी और हरे रंग से पेंट कराया। इस काम के लिए कर्मचारियों को भी लगाया गया था। सिविक अधिकारियों का कहना है कि किसी भी प्रकार के केमिकल या सिंथेटिक पेंट का इस्तेमाल पेड़ों के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है। इससे पेड़ की प्राकृतिक श्वसन प्रक्रिया प्रभावित होती है, क्योंकि पेंट लेंटिकेल को ब्लॉक कर देता है और पेड़ पर शारीरिक तनाव पैदा करता है, जिससे उसकी सेहत और जीवन पर गंभीर असर पड़ सकता है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने जारी नोटिस में सैलून को निर्देश दिया है कि वह वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीकों से पेड़ पर किया गया पेंट पूरी तरह हटाए और इस प्रक्रिया की विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट भी जमा करे। इसके साथ ही, बांद्रा पुलिस से इस मामले में कानूनी कार्रवाई करने की भी सिफारिश की गई है।

नगर निकाय ने अपने पत्र में कहा है कि सैलून ने महाराष्ट्र (अर्बन एरियाज) ट्री प्रोटेक्शन एंड प्रिजर्वेशन एक्ट, 1975 की धारा 8 और 21 का उल्लंघन किया है। इस कानून के तहत किसी भी पेड़ को नुकसान पहुंचाना ''कटाई''की श्रेणी में आता है, जिसके लिए एक साल तक की सजा और 1 लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। इसके अलावा, बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निदेर्शों का भी हवाला दिया है, जिनमें पेड़ों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही गई है। हालांकि, सैलून प्रबंधन ने अपनी सफाई में कहा है कि पेड़ पर केवल प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया गया था और उनका इरादा किसी तरह का नुकसान पहुंचाने का नहीं था। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल पेंट को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह मामला सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर पेड़ों के संरक्षण और शहरी क्षेत्रों में हरियाली की सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पुणे के पास वंदे भारत ट्रेन का एक डिब्बा पटरी से उतरा, यात्री सुरक्षित...

मुंबई : मुंबई से सोलापुर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शनिवार शाम एक हादसे का शिकार हो गई। यह ट्रेन पुणे रेलवे स्टेशन के पास डायमंड क्रॉसिंग क्षेत्र में पटरी से उतर गई, हालांकि इस घटना में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है और सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन जब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुंबई) से सोलापुर की ओर जा रही थी, तभी शाम करीब 7:30 बजे एक तकनीकी समस्या के कारण इसके एक कोच का एक पहिया पटरी से उतर गया। यह घटना पुणे स्टेशन के पास स्थित क्रॉसिंग पॉइंट पर हुई।

अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन का केवल एक डिब्बा प्रभावित हुआ है और बाकी पूरी ट्रेन सुरक्षित रही। तुरंत मौके पर रेलवे की तकनीकी टीम और बचाव दल पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में लिया गया। रेलवे अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रभावित डिब्बे को ट्रैक से हटाने और तकनीकी जांच का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, डायमंड क्रॉसिंग क्षेत्र में ट्रैक के अपग्रेडेशन और पुणे रेलवे स्टेशन पर चल रहे रेनोवेशन कार्य के चलते यह हिस्सा पहले से निर्माण और मरम्मत प्रक्रिया में था। अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह तकनीकी खराबी थी या किसी अन्य कारण से ट्रेन का पहिया पटरी से उतरा। घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए वैकल्पिक व्यवस्था और ट्रैक क्लियरेंस का कार्य शुरू कर दिया है। प्रभावित मार्ग पर ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से नियंत्रित किया गया है। रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए ट्रैक मेंटेनेंस और निरीक्षण प्रक्रिया को और मजबूत किया जाएगा। खासकर उन क्षेत्रों में जहां रेनोवेशन या अपग्रेडेशन का काम चल रहा है, वहां अतिरिक्त सावधानी बरती जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर रेलवे सुरक्षा और हाई-स्पीड ट्रेनों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी भी यात्री को नुकसान नहीं पहुंचा और बड़ा हादसा टल गया। रेलवे प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले की पूरी जांच के बाद आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मुंबई : मेट्रो लाइन 4 साइट पर फिर हादसा, कार पर गिरा तख्ता... कॉन्ट्रैक्टर हटाने की मांग

मुंबई : मुंबई के एलबीएस रोड पर बन रही मेट्रो लाइन 4 के निर्माण कार्य के दौरान एक बार फिर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में मुलुंड वेस्ट में उसी इलाके में एक और घटना सामने आई, जो पहले हुए हादसे की जगह से सिर्फ 10 मीटर दूरी पर हुई है। जानकारी के अनुसार, इस बार निर्माण स्थल से एक लकड़ी का तख्ता अचानक नीचे गिरकर चलती कार पर जा गिरा। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन इससे पहले हुई एक दर्दनाक घटना की यादें ताजा हो गई हैं।

करीब दो महीने पहले इसी क्षेत्र में मेट्रो लाइन 4 की पैरापेट दीवार का हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। लगातार दो घटनाएं होने के बाद स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ताजा घटना के बाद स्थानीय विधायक मिहिर कोटेचा ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने निर्माण कार्य में लगे कॉन्ट्रैक्टर ''मिलन बिल्डटेक एलएलसी''को तत्काल हटाने की मांग की है। विधायक का कहना है कि इस तरह की लापरवाही सीधे तौर पर नागरिकों की जान के साथ खिलवाड़ है और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मिहिर कोटेचा ने यह भी कहा कि जब तक मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता, तब तक मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण को पूरे प्रोजेक्ट की 24 घंटे निगरानी करनी चाहिए। उन्होंने निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लगातार हो रही घटनाओं के कारण वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उनका मानना है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन ठीक तरीके से नहीं किया जा रहा है। इस बीच, प्रशासन की ओर से फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और संबंधित साइट पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू करने की बात कही गई है। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लगातार दो घटनाओं ने मेट्रो निर्माण परियोजना की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुंबई : क्लब में हुई दरिंदगी, हमले के बाद प्रीत सिंह की हालत देख चौंके फैंस

मुंबई : टीवी रियलिटी शो स्प्लिट्सविला 16 की चर्चित कंटेस्टेंट और मॉडल-एक्ट्रेस प्रीत सिंह ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। प्रीत ने दावा किया है कि मुंबई के एक क्लब में उन पर हमला किया गया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी सूजी हुई आंखें और चेहरे पर चोट के निशान साफ नजर आ रहे हैं। इस घटना के बाद उनके फैंस और साथी कलाकार हैरान रह गए हैं।

प्रीत सिंह ने बताया कि वह अपने एक दोस्त के साथ क्लब में बैठी थीं और सामान्य तरीके से समय बिता रही थीं। तभी अचानक एक लड़की वहां आई और तेज आवाज में सवाल उठाने लगी कि उन्हें क्लब के अंदर आने की इजाजत कैसे मिली। प्रीत के मुताबिक शुरूआत में मामला केवल बहस तक सीमित था, लेकिन कुछ ही देर में स्थिति बिगड़ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उस लड़की के साथ मौजूद एक पुरुष दोस्त ने बीच में आकर उन पर हाथ उठा दिया। देखते ही देखते मामला हिंसक हो गया और वहां मौजूद लोगों के लिए भी यह दृश्य चौंकाने वाला था। प्रीत ने कहा कि उन्हें इतनी जोर से मारा गया कि उनका एक दांत टूट गया और चेहरा बुरी तरह सूज गया। प्रीत ने अपने बयान में कहा कि अगर मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बीच-बचाव नहीं किया होता तो मामला और गंभीर हो सकता था। उन्होंने कहा कि वह अभी तक सदमे में हैं और विश्वास नहीं कर पा रही हैं कि एक सार्वजनिक जगह पर उनके साथ ऐसा हो सकता है। घटना के बाद प्रीत को पता चला कि विवाद करने वाली महिला खुद को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बताती है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने समर शेड्यूल में ग्यारह नए रूट शामिल किए

मुंबई : एयर इंडिया एक्सप्रेस अपने समर शेड्यूल में ग्यारह नए रूट शुरू कर रही है, जिससे बड़े मेट्रो से लेकर राज्यों की राजधानियों, इकोनॉमिक हब और घूमने-फिरने की मशहूर जगहों तक इसके नेटवर्क का दबदबा और मजबूत होगा। नए रूट मुंबई और अहमदाबाद को जोड़ते हैं, साथ ही दोनों शहरों को चंडीगढ़ और देहरादून से भी जोड़ते हैं, साथ ही मुंबई से एयरलाइन का नेटवर्क बढ़ाकर पटना तक सीधी कनेक्टिविटी भी देते हैं। इस नेटवर्क बढ़ाने के हिस्से के तौर पर, एयरलाइन पुणे और चेन्नई को बागडोगरा से सीधी कनेक्टिविटी देगी, जो घूमने-फिरने की एक खास जगह और पूर्वी हिमालय का गेटवे है। पुणे-बागडोगरा एक ऐसा रूट है जिस पर सिर्फ.एयर इंडिया एक्सप्रेस ही सर्विस देती है, और हफ़्ते में पाँच दिन फ़्लाइट चलती हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक बयान के मुताबिक, 1 मई से इन सर्विस के शुरू होने के साथ, एयर इंडिया एक्सप्रेस अब अहमदाबाद से हर हफ़्ते 40 फ़्लाइट, बागडोगरा से 108, चंडीगढ़ से 27, दिल्ली से 393, देहरादून से 28, कोच्चि से 62, कोलकाता से 86, मुंबई से 174, पटना से 42 और पुणे से 96 फ़्लाइट चलाती है।

मुंबई : केईएम हॉस्पिटल का नाम बदलने पर विवाद

मुंबई: महाराष्ट्र में ऑटो रिक्शा चालकों को लिए मराठी अनिवार्य किए जाने के ऐलान पर जहां राजनीति गर्म है तो वहीं दूसरी तरफ अब मुंबई में प्रतिष्ठित किंग एडवर्ड मेमोरियल हॉस्पिटल का नाम बदलकर कौशल्यश्रेष्ठ एकलव्य मेमोरियल हॉस्पिटल पर विवाद खड़ा हो गया है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी और महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स के डॉक्टरों से बात की। जो कौशल्यश्रेष्ठ एकलव्य मेमोरियल का नाम बदलने का विरोध कर रहे हैं।

किशोरी पेडनेकर ने संभाला मोर्चा

बीएमसी में नेता विपक्षा और शिवसेना की पार्षद किशोरी पेडनेकर डॉक्टरों से मिलने पहुंचीं। उनके साथ यूबीटी के विधायक अजय चौधरी भी मौजूद रहे। दोनों ने हॉस्पिटल की डीन डॉ. संगीता रावत से मुलाकात की। मुंबई की मेयर रह चुकी किशोर पेडनेकर से जब जब उनसे पूछा गया कि कहा कि शिवसेना ने 1995 में बॉम्बे का नाम बदलकर मुंबई कर दिया था, लेकिन अब वे शहर के मशहूर किंग एडवर्ड मेमोरियल हॉस्पिटल का नाम बदलकर कौशल्यश्रेष्ठ एकलव्य मेमोरियल हॉस्पिटल करने का विरोध कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि क्यों बदलना है नाम। बॉम्बे से मुंबई करने में सभी सहमति थी। शिवसेना वइळ के नेताओं ने इस कदम का विरोध करते हुए इसे विरासत को मिटाने की कोशिश बताया है, जबकि प्रस्ताव के समर्थकों का तर्क है कि यह आधुनिक समय में भारत की सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को दशार्ता है।

कैसे शुरू हुआ यह पूरा विवाद?

यह विवाद महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा द्वारा बृहन्मुंबई नगर निगम को लिखे गए एक पत्र के बाद शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने अस्पताल का नाम बदलकर 'कौशल्या एकलव्य मेमोरियल अस्पताल' रखने की सिफारिश की थी। स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष हरीश भंडिरगे को संबोधित अपने 25 मार्च के पत्र में, लोढ़ा ने कहा कि भारत अपनी स्वदेशी विरासत को वापस पाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई सार्वजनिक संस्थानों के नाम अभी भी औपनिवेशिक काल के हैं, जिन्हें उन्होंने विदेशी शासन के तहत देश के अतीत की याद दिलाने वाला बताया। लोढ़ा की सिफारिश के बाद विरासत बनाम पहचान की बहस छिड़ गई है।

मुंबई : अहमदाबाद-दिल्ली रेलवे लाइन के समानांतर बन रहा है बुलेट ट्रेन का 480 मीटर लंबा ब्रिज

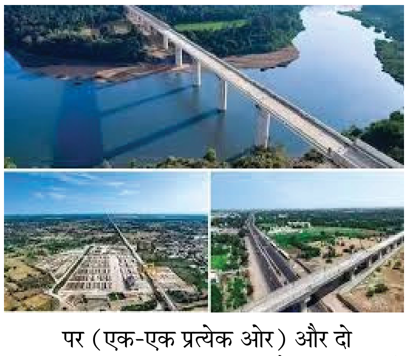

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत अहमदाबाद के साबरमती नदी पर 36 मीटर ऊंचा लगभग 118 फीट (12 मंजिला इमारत जितना) ब्रिज का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। खास बात तो यह है कि यह 480 मीटर लंबा पुल पश्चिम रेलवे की अहमदाबादझ्दिल्ली मुख्य लाइन के समानांतर बनाया जा रहा है। रणनीतिक रूप से साबरमती और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित यह पुल साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशन से लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर है।

सभी 8 पिलर का काम पूरा

पुल के सभी आठ पियर्स (पिलर) पूरे हो चुके हैं। जिनका व्यास 6 से 6.5 मीटर है। इनमें से चार नदी तल में दो नदी के किनारों पर (एक-एक प्रत्येक ओर) और दो नदी तट के बाहर स्थित हैं। पिलर की ऊंचाई 31 से 34 मीटर के बीच है। नदी के जल प्रवाह में न्यूनतम बाधा सुनिश्चित करने के लिए पिलर का रणनीतिक रूप से इस्तेमाल किया गया है।

यह पुल 76 मीटर के 5 स्पैन और 50 मीटर के 2 स्पैन से मिलकर बना है, जिसमें प्रत्येक स्पैन का निर्माण 23 सेगमेंट्स द्वारा साइट पर ही (इन-सिटू) किया जा रहा है। इसका निर्माण बैलेंस्ड कैंटिलीवर तकनीक से किया जा रहा है, जो गहरे जल एवं नदियों पर लंबे स्पैन वाले पुलों के लिए एक विशेष तकनीक है। इस विधि में पुल के नीचे सहारा (स्कैफोल्डिंग) लगाए बिना, प्रत्येक पियर से दोनों ओर संतुलन बनाते हुए सेगमेंट्स को क्रमिक रूप से जोड़कर (पोस्ट-टेंशनिंग के माध्यम से) स्पैन तैयार किया जाता है। इससे एक निरंतर और स्थिर ब्रिज डेक का निर्माण होता है। निर्माण के दौरान नदी के जल प्रवाह को निर्बाध बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया है। अस्थायी एम्बैंकमेंट के भीतर 'म पाइप कल्वर्ट्स स्थापित किए गए हैं, साथ ही प्राकृतिक जल निकासी चैनल को भी बनाए रखा गया है, जिससे पानी का सतत और मुक्त प्रवाह सुनिश्चित होता है।

मराठी भाषा पर बयान, संजय निरुपम ने दिया सुझाव

मुंबई : शिवसेना शिंदे समूह के प्रवक्ता और पूर्व सांसद संजय निरुपम ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र में रिक्शा-टैक्सी चालकों को मराठी भाषा सीखने के लिए छह माह से लेकर एक वर्ष तक का समय दिया जाना चाहिए। निरुपम ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि महाराष्ट्र में रहने वाले लोगों को मराठी भाषा आना चाहिए। यह किसी भी राज्य के गौरव की बात है। हम यहां रहकर रोजी रोटी अर्जित कर रहे हैं, तो हमें राज्य के गौरव का भी ध्यान रखना जरुरी है। संजय निरुपम ने कहा कि नई भाषा सीखने में लोगों को वक्त लगता है। सीखने की क्षमता सभी की एक जैसी नहीं रहती है इसलिए रिक्शा-टैक्सी चालकों को मराठी सीखने के लिए कम से कम छह माह से लेकर एक वर्ष का समय दिया जाना चाहिए, जिससे वे मराठी सीख सकें। संजय निरुपम ने कहा कि राज्य सरकार ने एक मई से राज्य में मराठी न आने पर रिक्शा-टैक्सी चालकों का परमिट रद्द करने का निर्णय लिया है।

मुंबई, नासिक की घटनाओं का जिक्र.... किरीट सोमैया बोले- महाराष्ट्र में हिंदू लड़कियों को फंसाने की बड़ी साजिश

मुंबई : भाजपा नेता किरीट सोमैया ने सोमवार को कहा कि जिस प्रकार से कुछ लोग मुस्लिम युवाओं का इस्तेमाल कर लड़कियों को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर हिंदू लड़कियों को, यह एक बड़ा षड्यंत्र है। इस संदर्भ में मैंने यह सुझाव भी दिया है कि अलग-अलग जगहों पर जो घटनाएं आ रही हैं, उनका महाराष्ट्र के साइबर सेल द्वारा विस्तृत अध्ययन किया जाना चाहिए, ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके और आवश्यक कार्रवाई की जा सके। किरीट सोमैया ने कहा कि जिहाद के नाम पर हमारी लड़कियों को छेड़ने वाले या उनकी जान से खेलने वालों को कम से कम सात साल जेल में रहना पड़ेगा। किरीट सोमैया ने कहा कि महाराष्ट्र में एक-एक करके 'कॉर्पोरेट जिहाद' जैसे मामलों की शिकायतें सामने आ रही हैं। महालक्ष्मी इलाके में पिरामल फाइनेंस से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां एक हिंदू लड़की को अशरफ छेड़ रहा था। अब पता चला है कि एक दर्जन से अधिक लड़कियों के साथ वह इस प्रकार की बदतमीजी कर चुका है। पुलिस के साथ हमारी लंबी चर्चा हुई है। पुलिस साइबर सेल की मदद से जो भी लोग इसमें शामिल हैं, उन्हें ढूंढकर निकालेगी। मुझे संदेह है कि अशरफ अकेला ऐसा नहीं कर सकता।

बीजेपी नेता ने कहा कि एक और एफआईआर सामने आई है और करीब एक दर्जन नाम भी पुलिस के संज्ञान में आए हैं। जांच धीरे-धीरे गति पकड़ रही है। यहां के पुलिस स्टेशन पर कुछ राजनीतिक दबाव डाला जा रहा है, लेकिन अब जांच तेजी से आगे बढ़ रही है।

दिल्ली से सोमनाथ के लिए 1300 श्रद्धालुओं की विशेष धार्मिक ट्रेन 30 अप्रैल को रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली से सोमनाथ के लिए एक विशेष धार्मिक यात्रा की शुरूआत होने जा रही है। इस पहल के तहत 1300 श्रद्धालु ट्रेन से गुजरात रवाना होंगे, जहां वे तीन दिन तक दर्शन और धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। दिल्ली सरकार सोमनाथ स्वाभिमान पर्व सोमनाथ यात्रा के तहत 30 अप्रैल को एक विशेष ट्रेन चलाने जा रही है। इस ट्रेन में करीब 1300 श्रद्धालु सफदरजंग रेलवे स्टेशन से सोमनाथ गुजरात के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी। सरकार के मुताबिक यह यात्रा 1000 वर्षों की अखंड आस्था थीम पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये पहल

लोगों को अपनी संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक जड़ों से जोड़ने का एक प्रयास है। सोमनाथ धाम केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि आस्था और भारत की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। ये विशेष ट्रेन 30 अप्रैल को दिल्ली से रवाना होकर अगले दिन सुबह सोमनाथ पहुंचेगी। इसके बाद 1, 2 और 3 मई को श्रद्धालु बाबा सोमनाथ के दर्शन करेंगे और आसपास के प्रमुख मंदिरों में भी पूजा-अर्चना का अवसर मिलेगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाओं की पूरी व्यवस्था गुजरात सरकार की ओर से की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए पहले से पूरी तैयारी की गई है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की कोशिश इस पहल को धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और लोगों को देश की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इस तरह की यात्राएं न सिर्फ आस्था को मजबूत करती हैं, बल्कि लोगों में अपनी परंपराओं के प्रति जुड़ाव भी बढ़ाती हैं। ये यात्रा सिर्फ दर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए एक ऐसा मौका है, जहां वे अपनी आस्था के साथ-साथ भारतीय संस्कृति की गहराई को भी करीब से महसूस कर सकेंगे।

दिल्ली के चार स्कूलों को बम की धमकी, एक आर्मी तो एक सीआरपीएफ का स्कूल भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी) एहतियात के तौर पर तलाशी के दौरान छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। दिल्ली में सोमवार को चार स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। इन धमकियों से स्कूलों में दहशत फैल गई। हालांकि, बाद में दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने इसे फर्जी बताया। अधिकारी के अनुसार, अलर्ट मिलते ही तुरंत दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। स्थानीय पुलिस और स्कूल अधिकारियों के साथ मिलकर तलाशी और निकासी अभियान चलाया गया। टीमों ने परिसरों की गहन जांच की। किसी भी स्थान पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। सभी धमकियों को फर्जी घोषित कर दिया गया है। जिन स्कूलों को बम की धमकी मिली, उनमें धौला कुआं, दिल्ली कैंट और शंकर विहार स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल शामिल हैं। इनके अलावा द्वारका सेक्टर 14 स्थित सीआरपीएफ स्कूल भी शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

तापमान 42 डिग्री के पार, के लिए लू का यलो अलर्ट ; जानें कब मिलेगी गर्मी से राहत

नई दिल्ली (एजेंसी) मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले दो दिन के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के तीन दिन में इसमें 4-6 डिग्री की गिरावट आएगी। दिल्ली में इस समय कई दिनों से आसमान से आग बरस रही है। दिन के साथ रातें भी लगातार गर्म हो रही हैं। दोपहर के समय तो यूं मानों ऐसा लगता हो, जैसे भट्टी जल रही हो। इसी कड़ी में रविवार सुबह से ही तपती धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया। इससे लोगों का हाल बेहाल रहा और वह परेशान दिखे। वह घर से बाहर निकलते ही पसीना पोंछते नजर आए। यही नहीं, हालात ऐसे थे कि रात में भी सुकून नहीं मिला। दिन और रात के समय गर्म हवा चली। इसके अलावा दिल्ली के कई इलाकों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रहा और लू की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले दो दिन के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के तीन दिन में इसमें 4-6 डिग्री की गिरावट आएगी और उसके बाद लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। वहीं, अगले तीन दिन के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहने की संभावना है और उसके बाद यह सामान्य स्तर पर आ जाएगा। इसके अलावा, दिल्ली के कई इलाकों में लू की स्थिति महसूस की गई है। ऐसे में लू का यह लगातार तीसरा दिन रहा। इन स्थितियों के अगले 24 घंटे तक जारी रहने की आशंका है। उन्होंने बताया कि निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पूर्वी हवाओं के चलने के प्रभाव से अधिकतम तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे 28 अप्रैल से इस क्षेत्र में लू की स्थिति में कमी आएगी। आज भी लू का यलो अलर्ट, लेकिन मंगलवार से करवट लेगा मौसम दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक भीषण गर्मी और बदलते मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 27 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43-45 डिग्री और न्यूनतम 26-28 डिग्री रहने की संभावना है। इस दौरान आंशिक बादल छाए रहेंगे और लू जारी रहेगी। मौसम विभाग ने लू का यलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही, दोपहर बाद गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

भीषण लू और बदलता मौसम: क्या अब भारत को अपने 'स्कूल कैलेंडर' को बदलने की जरूरत है

एजेंसी

नई दिल्ली। अप्रैल के महीने में ही उत्तर प्रदेश सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुँच रहा है। जानलेवा लू (Heatwave) ने न केवल जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है, बल्कि स्कूलों जाने वाले छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर भी बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या भारत को अपने दशकों पुराने 'एकेडमिक कैलेंडर' और गर्मियों की छुट्टियों के समय पर पूरी तरह से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है? अभिभावकों की बढ़ती चिंता नोएडा एक्सटेंशन जैसे शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक, माता-पिता अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर डरे हुए हैं। अभिभावकों का कहना है कि मई के पहले हफ्ते में होने वाली परीक्षाओं और विस्तृत सिलेबस के दबाव के बीच, इस चिलचिलाती धूप में बच्चों को स्कूल भेजना जोखिम भरा है। ग्लोबल टेम्परेचर रैंकिंग 2026 के चौंकाने वाले आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 95 भारत में हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं। राज्यों की त्वरित प्रतिक्रिया बदलते मौसम के मिजाज को देखते हुए कई राज्य सरकारों ने कदम उठाए हैं: ओडिशा और छत्तीसगढ़: यहाँ लू की स्थिति को देखते हुए गर्मियों की छुट्टियां

अप्रैल के अंत में ही घोषित कर दी गई हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश: इन राज्यों ने फिलहाल स्कूल बंद नहीं किए हैं, लेकिन समय में बदलाव कर सुबह 7:30 से दोपहर 12:30 बजे तक का समय तय किया है। उत्तराखंड: यहाँ स्कूलों में 'वॉटर बेल्स' (Water Bells) की शुरूआत की गई है ताकि बच्चों को बार-बार पानी पीने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। क्या है विशेषज्ञों की राय? शिक्षाविदों और प्रिंसिपल्स का मानना है कि अब केवल 'तदर्थ' (Ad-hoc) फैसलों से काम नहीं चलेगा। नोएडा के कैम्ब्रिज स्कूल की रिटायर्ड प्रिंसिपल नंदिता सिन्हा रॉय के अनुसार, स्कूलों को अब 'हाइब्रिड मोड' (ऑनलाइन और ऑफलाइन) के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। वहीं, विशेषज्ञों का सुझाव है कि एकेडमिक कैलेंडर को अधिक लचीला बनाने की जरूरत है।

न्यायालय ने महिला वकील पर हमले का स्वत: संज्ञान लिया, निर्देश जारी किए

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक महिला वकील पर उसके पति द्वारा कथित तौर पर किए गए क्रूर हमले का सोमवार को संज्ञान लिया और दिल्ली पुलिस आयुक्त को जांच किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, अधिमानतः एसीपी या डीसीपी रैंक की महिला अधिकारी को सौंपने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच अधिकारी को तीन अस्पतालों द्वारा पीड़िता को भर्ती करने से इनकार करने संबंधी पहलू की जांच करने का भी निर्देश दिया। पुलिस की ओर से पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने

पीठ को सूचित किया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पीड़िता के पति को 25-26 अप्रैल की दरमियानी रात गिरफ्तार कर लिया गया था। पीठ ने कहा कि तत्काल हस्तक्षेप के अनुरोध वाले एक पत्र के बाद उसने मामले में स्वतः संज्ञान लिया। शीर्ष अदालत ने कई निर्देश जारी करते हुए कहा कि शिकायत में पीड़िता के ससुराल वालों पर आरोप है कि वे उसके दो नाबालिग बच्चों को अपने साथ ले गए हैं और उनका पता नहीं चल पा रहा है।

पीठ ने पुलिस को दोनों बच्चों का पता लगाने का निर्देश दिया। पीठ ने जांच अधिकारी को जांच की स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

राज्यसभा सभापति की मंजूरी के बाद आम आदमी पार्टी के सात बागी सांसदों का भाजपा में विलय आधिकारिक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजनीति में आज एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला जब राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी के सात बागी सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी। इस महत्वपूर्ण फैसले के बाद उच्च सदन में अरविंद केजरीवाल की पार्टी का दबदबा काफी कम हो गया है और उनके सांसदों की संख्या 10 से घटकर अब केवल 3 रह गई है। वहीं, इन सात नए सदस्यों के जुड़ने से

राज्यसभा में भाजपा का कुनबा बढ़कर 113 सांसदों का हो गया है, जो केंद्र सरकार के लिए विधाई कार्यों को पारित कराने में बड़ी बढ़त माना जा रहा है। भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों में राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, विक्रमजीत साहनी और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं।

इन सभी सांसदों ने बीते शुक्रवार को सभापति से अपील की थी कि उनके समूह के विलय को भाजपा के साथ जोड़कर देखा जाए। राज्यसभा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी अब इन सातों के नाम भाजपा की सदस्य सूची में दिखाई दे रहे हैं। इन सांसदों ने अपनी पूर्व पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आप अपने मूल सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिकता से पूरी तरह भटक चुकी है, जिसके चलते उन्हें यह कड़ा फैसला लेना पड़ा।

कोलकाता पुलिस का बड़ा एक्शन, सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पुलिसकर्मी सस्पेंड

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने अपने एक पुलिसकर्मी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे फिलहाल निलंबित कर दिया है। यह कदम सोशल मीडिया पर उसके पोस्ट की जांच के चलते उठाया गया है। पुलिस विभाग का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच चल रही है और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। जानकारी के अनुसार, संबंधित पुलिसकर्मी पर आरोप है कि उसने सोशल मीडिया पर ऐसी गतिविधियां कीं, जो सेवा आचरण नियमों के खिलाफ मानी जा सकती हैं। इसी वजह से विभाग ने उसे सस्पेंड कर दिया है, ताकि जांच निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ सके।

इस घटना के बाद कोलकाता पुलिस ने अपने सभी जवानों और अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में साफ कहा गया है कि कोई भी पुलिसकर्मी सोशल मीडिया पर ऐसा कोई कंटेंट पोस्ट, शेयर या लाइक न करे, जो नियमों का उल्लंघन करता हो या चुनावी माहौल को प्रभावित कर सके।

बॉलीवुड का ये डायरेक्टर एक चवन्नी से बदल देता था किसी भी एक्टर की किस्मत, इसी ने राज कपूर को बनाया शोमैन

हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता और निर्देशक केदार शर्मा अपने सख्त स्वभाव, शानदार फिल्मों और नए कलाकारों को पहचानने की कला के लिए मशहूर थे.उनके बारे में एक और बात फिल्म इंडस्ट्री में काफी मशहूर थी.कहा जाता था कि अगर केदार शर्मा किसी कलाकार के काम से खुश हो जाएं और उसे अपनी तरफ से दुअन्नी या चवन्नी इनाम में दे दें, तो वह कलाकार आगे चलकर बड़ा नाम बन जाता था.उनकी दी हुई वह छोटी सी चवन्नी कलाकारों के लिए किसी लकी चार्म से कम नहीं मानी जाती थी.यही वजह थी कि कई कलाकार उस चवन्नी को सालों तक संभालकर रखते थे.

12 अप्रैल 1910 को पंजाब के नरौला में जन्मे केदार शर्मा का बचपन काफी संघर्षों में बीता.उन्हें शुरू से ही कला, कविता और फिल्मों में रुचि थी.उनके पिता चाहते थे कि वह पढ़-लिखकर शिक्षक बनें, लेकिन केदार शर्मा का सपना फिल्मों में काम करने का था.इसी सपने को पूरा करने के लिए वह घर छोड़कर कोलकाता पहुंच गए, क्योंकि उस समय फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा केंद्र वहीं था. कोलकाता पहुंचने के बाद उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा.शुरूआत में उन्हें फिल्मों में कोई बड़ा काम नहीं मिला.बाद में उन्होंने पोस्टर पेंटर के रूप में काम शुरू किया.वह अच्छे चित्रकार थे, इसलिए यह काम उन्हें मिल गया.धीरे-धीरे उन्होंने फिल्म निर्माण के दूसरे काम भी सीख लिए. उन्होंने कैमरे पर काम किया, छोटे-मोटे रोल किए और फिर कहानी और गीत लिखने लगे.

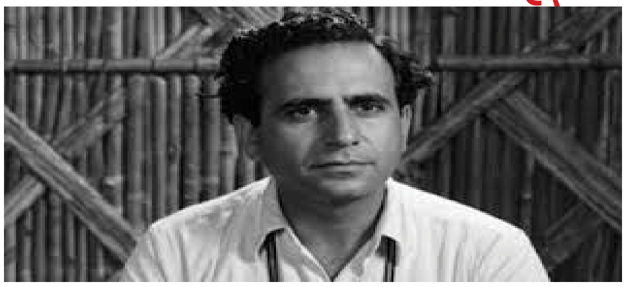

साल 1936 में आई फिल्म 'देवदास' उनके जीवन का बड़ा मोड़ साबित हुई.इस फिल्म के लिए उन्होंने डायलॉग्स और गीत लिखे थे. फिल्म सुपरहिट हुई और केदार शर्मा को इंडस्ट्री में पहचान मिल गई.इसके बाद उन्होंने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा और 'चित्रलेखा', 'नील कमल', 'बावरे नैन' और 'जोगन' जैसी कई यादगार फिल्में बनाईं. केदार शर्मा की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वह नए कलाकारों में छिपी प्रतिभा को पहचान लेते थे. उन्होंने राज कपूर को बड़ा मौका दिया.जब राज कपूर उनकी यूनिट में क्लैपर बॉय का काम करते थे, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि यही लड़का आगे चलकर हिंदी सिनेमा का शोमैन बनेगा.केदार शर्मा ने अपनी फिल्म 'नील कमल' में राज कपूर को हीरो बनाया.इसी फिल्म से उन्होंने मधुबाला को भी बड़ा मौका दिया, जो उस समय सिर्फ 13 साल की थीं. उन्होंने गीता बाली, भारत भूषण और संगीतकार रोशन जैसे कई कलाकारों को भी आगे बढ़ाया.अगर उन्हें किसी का काम पसंद आता, तो वह उसे इनाम में दुअन्नी या चवन्नी दिया करते थे.

धीरे-धीरे इंडस्ट्री में यह बात फैल गई कि केदार शर्मा की दी हुई चवन्नी बहुत लकी होती है.कई कलाकार उसे अपने पास संभालकर रखते थे और मानते थे कि वही उनके अच्छे भविष्य की निशानी है. फिल्मों के अलावा, उन्होंने बच्चों के सिनेमा में भी बड़ा योगदान दिया.उन्होंने भारतीय बाल फिल्म सोसायटी के लिए कई फिल्में बनाईं.

अनीत पड्डा: 'शक्ति शालिनी' के सेट से सामने आया नया लुक... दो चोटी और स्कूल यूनिफॉर्म में 'सैयारा' गर्ल

अनीत पड्डा इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं, क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म 'शक्ति शालिनी' की एक झलक सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इस छोटे से वीडियो ने तुरंत सबका ध्यान खींचा है, खासकर उनके दमदार नए अवतार की वजह से, जो उनकी पहले की छवि से बिल्कुल अलग है। वीडियो के वायरल होने के बाद से इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा और भी बढ़ गई है। 'सैयारा' (2025) में एक सिंपल और सहज किरदार निभाने के बाद अनीत 'शक्ति शालिनी' के साथ एक कहीं अधिक मुश्किल रोल में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उन्हें डबल रोल्स में दिखाया जाएगा- शक्ति, एक रक्षक शक्ति, और शालिनी, एक अधिक क्रूर और विनाशकारी व्यक्तित्व। हालांकि फिल्म निमार्ताओं ने कहानी को गुप्त रखा है, लेकिन उनके किरदारों के बीच का अंतर पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है। वीडियो वायरल होने के बाद से ही इंटरनेट पर लोगों ने प्यार दिखाया है। सोशल मीडिया पर दर्शक उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं और 'अनीत को शुभकामनाएं' और 'उन्हें और टीम को ढेर सारी बधाई' जैसे कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'मैडॉक को उम्मीद है कि यह फिल्म अच्छी बनेगी।

अनीत और टीम को शुभकामनाएं', कई लोगों ने वीडियो को शेयर करके भी इस पर गाने लगाए हैं। 2025 में अनीत पड्डा को आधिकारिक तौर पर 'शक्ति शालिनी' की लीड एक्ट्रेस के तौर पर चुना गया था, जिससे वह मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स के साथ भी जुड़ गईं। 21 अक्टूबर, 2025 को रिलीज हुई फिल्म 'थामा' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में पहली बार उनके किरदार की झलक दिखाई गई थी, जहां उन्हें 'सृष्टिकर्ता, संहारक और सबकी माता' के रूप में दिलचस्प ढंग से पेश किया गया था।

बॉक्स ऑफिस पर 'भूत बंगला' और 'धुरंधर 2' की सुनामी, 2 फिल्मों ने ही किया 500 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन

हर हफ्ते सिनेमाघरों में कोई ना कोई फिल्म रिलीज होती है. इसमें कई बार कुछ शानदार परफॉर्म करती हैं तो कुछ रिकॉर्ड तोड़ कमाई करती हैं. ऐसे में 2026 का अप्रैल महीना भी खत्म हो गया. इन 28 दिनों में सिनेमाघरों में बॉलीवुड और साउथ की कई फिल्मों ने दस्तक दी लेकिन कोई खास चल नहीं पाईं लेकिन दो फिल्मों 'भूत बंगला' और 'धुरंधर 2' ने अकेले ही बॉक्स ऑफिस को लूट लिया. उन्होंने अकेले ही 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. चलिए बताते हैं 2026 के अप्रैल महीना बॉक्स ऑफिस के लिए कैसा रहा.

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, आदित्य धर की एक्शन स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर 2' ने अप्रैल महीने में अकेले ही कमाल का बिजनेस किया. फिल्म ने इस एक महीने में 200 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया. मूवी ने डे-40 तक अप्रैल में 232.22 करोड़ (इंडिया नेट कलेक्शन) की कमाई की. मेकर्स और बॉलीवुड के लिए एक बेहतरीन आंकड़ा है. वहीं, अप्रैल महीना भी बॉक्स ऑफिस के लिहास से शानदार रहा. वहीं, सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 350 करोड़ से ज्यादा रहा. इसके साथ ही अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' ने भी बॉक्स ऑफिस पर कमाल का प्रदर्शन किया. फिल्म का कुल इंडिया नेट कलेक्शन 100 करोड़ के पार पहुंच चुका है.

प्रियंका चोपड़ा की वजह से राघव चड्ढा ने बदली पार्टी? नवजोत सिंह सिद्धू की वाइफ का बड़ा खुलासा...

प्रियंका चोपड़ा के बीजेपी में शामिल होने के पीछे असल में किसका हाथ है? हर कोई यही सोच रहा है कि उन्हें आम आदमी पार्टी छोड़ने के लिए किसने मनाया। इस सवाल को लेकर राजनीति से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक हलचल मची हुई है। सोशल मीडिया पर अब एक नई वायरल हो रही है। वो ये है कि राघव को कहीं ना कहीं प्रियंका चोपड़ा ने बीजेपी जॉइन करने में मदद की है। लेकिन आखिर ये इतना वायरल क्यों हो रहा है। दरअसल इसके पीछे पंजाब के एक वरिष्ठ नेता का एक बड़ा खुलासा है जिसमें उन्होंने कहा कि प्रियंका चोपड़ा की वजह से राघव ने बीजेपी जॉइन की है। पूर्व क्रिकेटर और राजनेत नवजोत सिंह सिद्धू की वाइफ नवजोत कौर सिद्धू ने राघव चड्ढा के अअढ छोड़कर BJP में शामिल होने के पीछे की पूरी कहानी का खुलासा किया है। वह पंजाब के कद्दावर राजनेता नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी और कांग्रेस की पूर्व विधायक हैं। अब उन्होंने सभी को बताया है कि राघव के इस बड़े राजनीतिक कदम के पीछे असल में कौन है? नवजोत कौर ने आगे दावा किया कि परिणीति ने प्रियंका को AAP के साथ चल रही अनबन के बारे में बताया था और यह भी कहा था कि पार्टी राघव को निकालने वाली है। इसके बाद, प्रियंका ने कथित तौर पर अपने संपर्कों का इस्तेमाल करके BJP के शीर्ष नेताओं से बात की और पार्टी में राघव के प्रवेश की व्यवस्था की। हालांकि राघव, परिणीति और प्रियंका की तरफ से इस बारे में कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

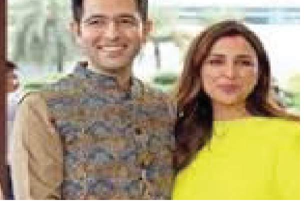

मुंबई : मराठी अनिवार्य करने के फैसले पर अब सियासत तेज; MNS की आई प्रतिक्रिया

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार की तरफ से मुंबई में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य करने के फैसले को फिलहाल वापस ले लिया गया है. यह फैसला 6 महीने के लिए टाल दिया गया है. इस पर अब सियासत भी तेज हो गई है. एमएनएस नेता संदीप देशपांडे ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार ने जो फैसला लिया है वह उस पर कायम रहेगी और इसे नहीं बदलेगी.

MNS नेता ने आगे कहा, ''अगर समय चाहिए तो हम देने के लिए तैयार हैं, लेकिन जिस प्रकार हमें आज की मीटिंग में नहीं बुलाया गया उसे देखकर लगता है कि सरकार अपना फैसला बदल देगी.''

ऑटो रिक्शा चालकों के लिए फिलहाल मराठी अनिवार्य नहीं

महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने बड़ा फैसला लिया है मुंबई में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य नहीं होगी. इसे 6 महीने के लिए

टाल दिया गया है. प्रदेश के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाईक ने घोषणा की थी कि 1 मई 2026 से अब ऑटो रिक्शा परमिट सिर्फ उसी शख्स को दिया जाएगा, जो मराठी भाषा पढ़ना और बोलना जानता हो.

MNS कार्यकताओं ने संजय निरुपम के खिलाफ किया प्रदर्शन

महाराष्ट्र में ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा संबंधी निर्देश को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है. शिंदे गुट के नेता संजय निरुपम द्वारा सरकार से इस नियम पर पुनर्विचार करने की मांग के बाद मनसे के कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन किया. इसके बाद इन आंदोलनकारीयो पर कारवाई हुई. इसी वजह से पार्टी प्रमुख राज ठाकरे ने सभी आंदोलनकारी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनका अभिनंदन किया. MNS के एक कार्यकर्ता नयन कदम ने कहा, ''राज ठाकरे और अमित ठाकरे का पार्टी के कार्यकर्ताओं के प्रति जो प्रेम है, वह साफ दिखाई देता है.

चार मई को आंदोलन होगा. 70 प्रतिशत रिक्शा चालक हमारे साथ हैं. जहां-जहां रिक्शा स्टैंड हैं, वहां मनसे के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे. जो इसका विरोध करेंगे, उनके खिलाफ भी मनसे मजबूती से खड़ी रहेगी. '' कुछ यूनियन नेताओं का मानना है कि यह कदम स्थानीय भाषा को बढ़ावा देने और यात्रियों की सुविधा के लिए जरूरी है, वहीं कुछ अन्य इसे ड्राइवरों पर अतिरिक्त बोझ के रूप में देख रहे हैं।

मुंबई : फरार आरोपी की लिव-इन पार्टनर 30 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में...

मुंबई : गोरेगांव स्थित NESCO में 11 अप्रैल को हुए टेक्नो कॉन्सर्ट से जुड़े ड्रग ओवरडोज से हुई मौतों के मामले में जांच तेज हो गई है। इस मामले में बोरीवली की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने फरार आरोपी मार्क उर्फ महेश खेमलानी की लिव-इन पार्टनर जिया जैकब को 30 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें जिया जैकब अकेली ऐसी आरोपी हैं जिन्हें पुलिस कस्टडी में रखा गया है, जबकि बाकी सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपी महेश खेमलानी की तलाश अभी भी जारी है और उसकी गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं।

जांच में सामने आया है कि फरार आरोपी खेमलानी और जिया जैकब एक-दूसरे को पिछले 12 वर्षों से जानते हैं और पिछले चार वर्षों से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। पुलिस इस रिश्ते और वित्तीय लेन-देन को भी जांच के दायरे में रखकर मामले की गहराई से पड़ताल कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि दोनों का एक संयुक्त बैंक खाता (जॉइंट अकाउंट) एक्सिस बैंक में है, जिसमें घटना से पहले करीब 14.95 लाख रुपये जमा किए गए थे। पुलिस इस रकम के स्रोत और उसके उपयोग की भी जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इसका संबंध ड्रग नेटवर्क या कॉन्सर्ट में हुई घटना से जुड़ा है।

अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले में ड्रग्स के नेटवर्क, सप्लाई चेन और वित्तीय लेन-देन की पूरी कड़ी को जोड़ने के लिए कई एंगल से जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग्स कैसे और किस माध्यम से पहुंचाए गए। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह मामला केवल ओवरडोज से हुई मौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक संगठित नेटवर्क की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। इसी वजह से वित्तीय लेन-देन और व्यक्तिगत संबंधों की भी गहराई से जांच की जा रही है।

ठाणे : मिशन भरारी के तहत छात्रों के सपनों को मिलेंगे पंख...

ठाणे : ठाणे ज़िला परिषद शिक्षा विभाग की नई शैक्षणिक पहल 'मिशन भरारी' के तहत चुने गए होनहार विद्यार्थियों के इसरो अध्ययन दौरे को आज, डिप्टी चीफ मिनिस्टर और गार्डियन मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने हरी झंडी दिखाई। यह बधाई सेरेमनी जिला नियोजन भवन, ठाणे में जोश भरे माहौल में हुई। इस मौके पर गाइडेंस देते हुए उप मुख्य मंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, ''मिशन भरारी सिर्फ.एक पहल नहीं है, बल्कि गांव के विद्यार्थियों के सपनों को पंख देने की एक बड़ी कोशिश है। यह हमारी मिट्टी के बच्चों को आसमान से जुड़ने का उससे बातें करने का एक मौका है।

उन्होंने आगे कहा, ''मेरी राय में, इस स्पर्धा से चुने गए 59 विद्यार्थी 'साइंस सोल्जर्स' हैं। जैसे बॉर्डर पर सैनिक देश की रक्षा करते हैं, वैसे ही ये विद्यार्थी देश का वैज्ञानिक भविष्य बनाएंगे। साइंस सिर्फ. जानकारी नहीं

है, बल्कि जिज्ञासा और सवाल पूछने का नजरिया है। 'क्यों?' पूछने की आदत डालें। यह आदत आपको बड़ी खोजों तक ले जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''यह ट्रिप सिर्फ.टूरिज्म के बारे में नहीं है, बल्कि हैंड्स-ऑन साइंस के बारे में भी है। विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, थुंबा रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन जैसी जगहों पर घूमने से आपको जो अनुभव मिलेगा ।

'मिशन भरारी' पहल को औपचारिक रूप से 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर शुरू किया गया था। उसके बाद, पूरी प्रक्रिया कम समय में पूरी की गई और छात्रों का चयन किया गया। 27 अप्रैल 2026 से 1 मई 2026 तक क्लास पांच से आठ कक्षा के विद्यार्थी के लिए हुए प्रतियोगिता परीक्षा से जिला स्तर पर चुने गए 59 मेधावी विद्यार्थियों के लिए देश के जाने-माने साइंटिफिक सेंटर्स का टूर आयोजित किया गया है। इस ट्रिप के दौरान, विद्यार्थियों को हवाई यात्रा करने का मौका मिलेगा और वे तिरुवनंतपुरम और कन्याकुमारी में अलग-अलग साइंटिफिक और हिस्टोरिकल जगहों पर जाएंगे। स्टूडेंट्स को विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, थुंबा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन, केरल साइंस एंड टेक्नोलॉजी म्यूजियम और प्रियदर्शिनी प्लेनेटेरियम जैसी जगहों पर हैंड्स-ऑन एक्सपीरियंस मिलेगा।

नासिक : मेडिकल कॉलेज में लिफ्ट हादसे में घायल कर्मचारी की मौत!

नासिक : नासिक स्थित मराठा विद्या प्रसारक संस्था के डॉ. वसंतराव पवार मेडिकल कॉलेज में हुए एक दर्दनाक लिफ्ट हादसे में गंभीर रूप से घायल कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी ज्योति अहिरे की इलाज के दौरान सोमवार देर रात मौत हो गई। इस घटना ने अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब ज्योति अहिरे ने लिफ्ट का दरवाजा खुला देखा और जिज्ञासावश खाली शाफ्ट के अंदर झांकने के लिए आगे झुक गईं। उसी दौरान ऊपर की मंजिल से एक लिफ्ट या होइस्ट ट्रॉली अचानक नीचे आ

गई, जिससे वह उसकी चपेट में आ गईं। टक्कर इतनी गंभीर थी कि उनका सिर और गर्दन फंस गए और रीढ़ की हड्डी को गंभीर नुकसान पहुंचा।

उन्हें तत्काल अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हालांकि, कॉलेज प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह घटना सामान्य पैसेंजर लिफ्ट से संबंधित नहीं थी। प्रशासन के अनुसार, जिस उपकरण से यह हादसा हुआ, वह एक होइस्ट ट्रॉली थी, जिसका उपयोग सर्जिकल उपकरणों के ड्रम को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए किया जाता है। मामले की जांच के लिए मौके पर पहुंचे एक सरकारी इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ने स्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में ट्रॉली में किसी प्रकार की मैकेनिकल खराबी या तकनीकी गड़बड़ी के संकेत नहीं मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जांच में यह बात सामने आई है कि मृतका ने निर्धारित सुरक्षा बैरियर को पार किया था और प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश कर गई थीं। हादसा उस समय हुआ जब वे ट्रॉली के रास्ते के पास झुक गईं, जो सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन के दायरे में आता है। घटना के बाद कॉलेज परिसर में शोक का माहौल है और प्रशासन ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। पुलिस और संबंधित तकनीकी टीम यह पता लगाने में जुटी है कि क्या सुरक्षा उपाय पर्याप्त थे और क्या किसी स्तर पर लापरवाही हुई है।

मुंबई रेलवे कंट्रोल रूम में शख्स ने फोन कर ५ करोड़ रुपये की रंगदारी की धमकी दी

मुंबई: मुंबई रेलवे कंट्रोल रूम में मंगलवार को सुबह एक शख्स ने फोन कर ५ करोड़ रुपये की रंगदारी और सरकार से बात कराने की धमकी दी है। शख्स ने रंगदारी न मिलने पर रेलवे, आर्मी ऑफिस और अहम होटलों को निशाना बनाने की धमकी दी है। इस घमकी के बाद मुंबई पुलिस इसकी छानबीन शुरू कर दिया है। इस घमकी की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह मुंबई में रेलवे पुलिस के कंट्रोल रूम को एक कॉल आया। फोन पर बात करने वाले शख्स ने अपना नाम इरफान बताया। यह कॉल सुबह करीब 3 बजे आया। फोन पर बात

करने वाले शख्स ने पुलिस से सीधे 5 करोड़ रुपये मांगे। फोन करने वाले शख्स ने धमकी दी कि अगर उसकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वह रेलवे सर्विस, मिलिट्री सर्विस के ऑफिस या एलीट इलाकों के बड़े होटलों पर हमला करेगा। कॉल करने वाले ने यह भी कहा कि अगर 5 करोड़ रुपये देना मुमकिन नहीं है, तो मुझे सरकारी अधिकारियों या उससे जुड़े ग्रुप से बात करने दो, नहीं तो मैं कुछ जगहों को टारगेट करूंगा।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com